DR. SHAMBHU KUMAR RAM
Deptt. of History
B.A. Part — I
Paper — II (Hons)
Shambhu.bhibu@gmail.com
8294392191

क्रॉमवेल के संवैधानिक प्रयोग VI

विनित परामर्श एवं प्रार्थना (Humble Petition and Advice: — अब क्रॉमवेल ने एक दुसरी पार्लियामेंट बुलाई क्योंकि उसका सैनिक शासन बदनाम हो गया था। लेकिन क्रॉमवेल तो संवैधानिक शासन चलाने के लिए प्रस्तुत था। इस समय तक देश की आर्थिक दशा खराब हो गयी थी। इसलिए सेना की संख्या कम की गयी और सैनिकों के वेतन में भी कटौती की गयी। 1656 ई॰ में इस पार्लियामेंट की प्रथम बैठक हुई, दुसरे अधिकतर सदस्य राजा के पक्ष के ही थे जिसको क्रॉमवेल एकदम पसंद नहीं करता था। अतः उसने 100 सदस्यों को राजभवन में बैठने नहीं दिया गया। लेकिन जो भी सदस्य बचे उन्होंने सैनिक शासन की कटु आलोचना की तब क्रॉमवेल ने गुस्से में निकाल कर ही छोड़ा। बचे हुए सदस्यों ने क्रॉमवेल से एक विनम्र प्रार्थना की कि जो Humble Petition Advice के नाम से प्रसिद्ध हुआ इसके द्वारा क्रॉमवेल से विनम्र शब्दों में आग्रह किया गया कि वह अपने सैनिक-शासन को समाप्त कर दे और इंग्लैंड के ताज को स्वीकार करे। लेकिन सेना के भय से वह ताज को स्वीकार नहीं कर सका और राजा बनने से इनकार कर दिया।